मेरा सपना

मार्टिन लूथर किंग
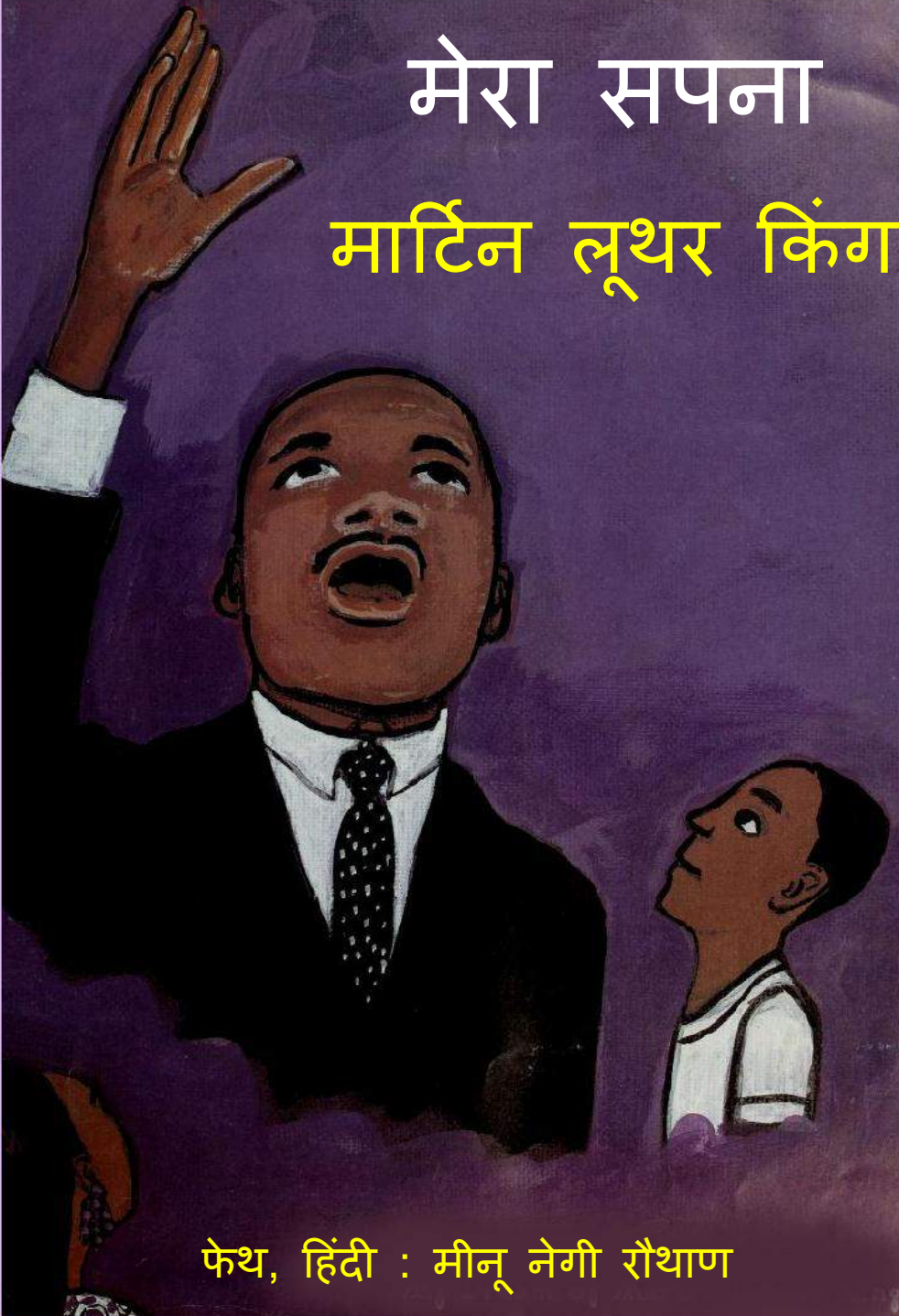
मेरा सपना
मार्टिन लूथर किंग
फेथ, हिंदी : मीनू नेगी रौथाण
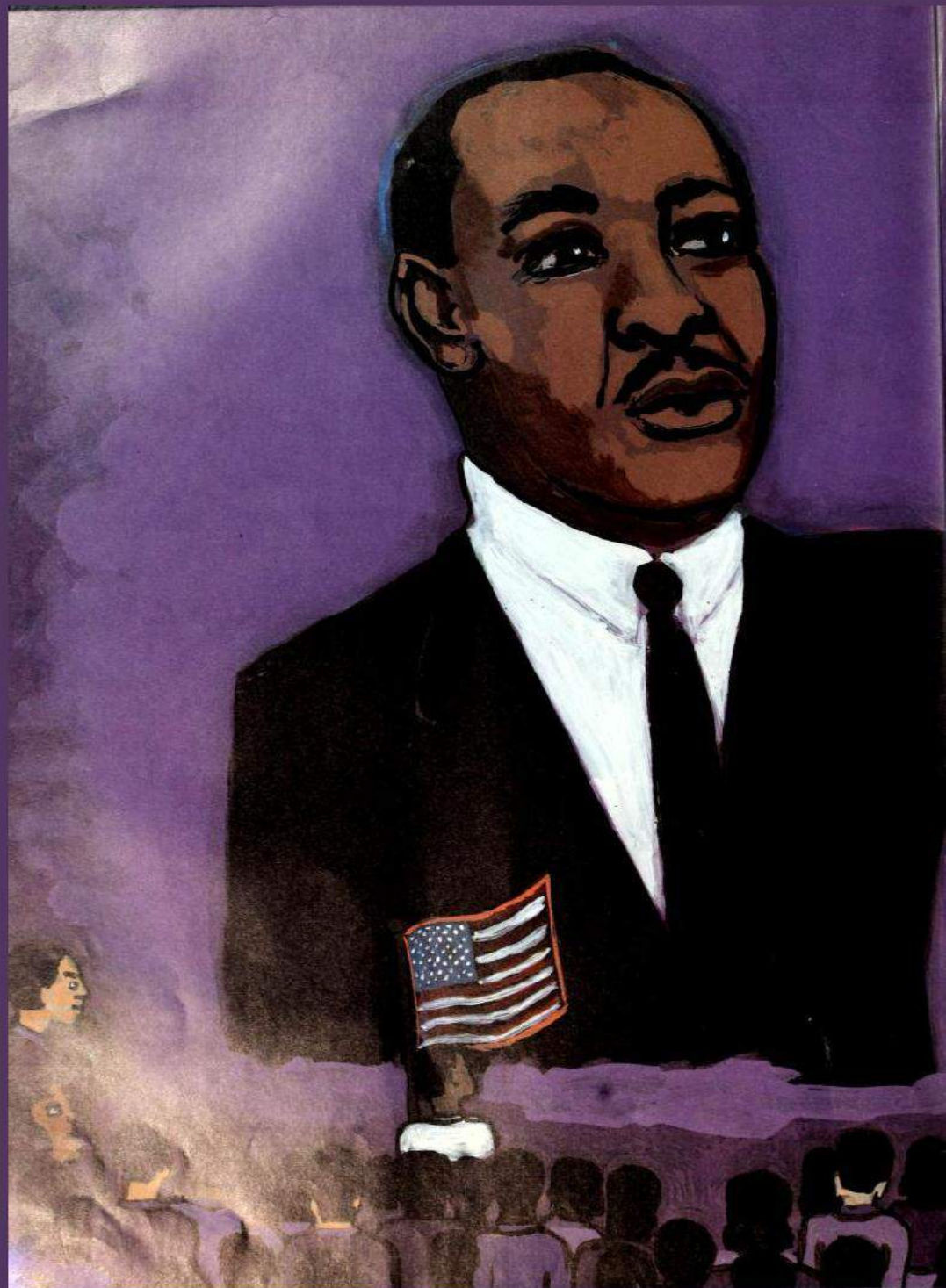
मैं हमेशा से ही सपने देखने वाला रहा हूं. लेकिन मुझे एकमात्र वही सपना याद है जिसे मैंने अपनी खुली आंखों से देखा था. जब मैं एक बार सो जाता हूँ तो दिन भर का बीता हुआ शायद ही कभी मेरे सपने में आता हो. लेकिन एक दिन मैं मार्टिन लूथर किंग जूनियर के बारे में एक टेलीविजन कार्यक्रम देखते हुए सो गया और फिर जो सपना मैने देखा उसे मैं कभी नहीं भूल पाया.

मेरे सपने में मैंने मार्टिन को एक बच्चे के रूप में एक बड़ी भीड़ में देखा जिसमे पूरी दुनिया के सभी लोग शामिल थे. वहाँ सभी रंग, जाति और धर्म के बच्चे, बूढ़े, पुरुष और महिलाएं थीं. उन सभी के पास बड़े-बड़े थैले थे जिसमें उन्होंने अपने पूर्वाग्रह - अज्ञानता, हिंसा, नफरत और भय को भरा था. उनके बदले में वे स्वतंत्रता, शांति, जागरूकता और प्यार की आशा कर रहे थे. कुछ लोगों के पास दूसरों की तुलना में बड़े थैले थे लेकिन सभी के पास बदलने के लिए कुछ-न-कुछ जरुर था.

उस स्थान पर आसमान की ओर जाती हुई उज्ज्वल, चमकदार सीढ़ियाँ दिखाई दे रही थीं. युवा मार्टिन और उसके पिता, डैडी किंग उनकी मां, उसकी दादी, प्रिय मां, उनके भाई और बहन एडी और क्रिस्टीन उस प्रकाश तक पहुंचने के लिए कदम उठा रहे थे. हर कोई उस पुराने भजन के शब्दों को गा रहा था - "हम होंगे कामयाब, हम होंगे कामयाब, एक दिन."

तभी एक भयानक घटना घटती है. युवा मार्टिन का परिवार गायब हो जाता है और वह अकेला रह जाता है. केवल उसका एक करीबी दोस्त और लड़के की मां, जो की सड़क के उस पार रहते थे रह जाते हैं. जब दोनों लड़के स्कूल की सीढ़ियों के पास खड़े थे तो लड़के की माँ ने युवा मार्टिन को वहाँ से चले जाने को कहा.

"यह गोरे बच्चों का स्कूल है," उसने कहा.

"पर मैं तो अभी स्कूल शुरू कर रहा हूँ," युवा मार्टिन ने गर्व से जवाब दिया.

"तुम्हें काले बच्चों के स्कूल में जाना चाहिए," वो चिल्लाकर बोलीं.

"भला क्यों?" युवा मार्टिन ने पूछा.

"क्योंकि हम सफेद हैं और तुम काले हो," उस लड़के की मां ने जवाब दिया.

तभी युवा मार्टिन ने एक पुलिसकर्मी को देखा. यह वही पुलिसकर्मी था जिसने एक बार डैडी किंग को बच्चा कह कर पुकारा था. “यह एक बच्चा है,” डैडी किंग ने यंग मार्टिन की तरफ इशारा करते हुए कहा, “और मैं एक आदमी हूँ. मेरा नाम रेवरेंड किंग है.” पुलिसकर्मी फिर चुप रहा, और डैडी किंग चले गए.

लेकिन मेरे सपने में, यंग मार्टिन अकेला था, और पुलिसकर्मी उसके पीछे दौड़ रहा था, और चिल्ला कर कह रहा था, "रुको लड़के! रुको!"
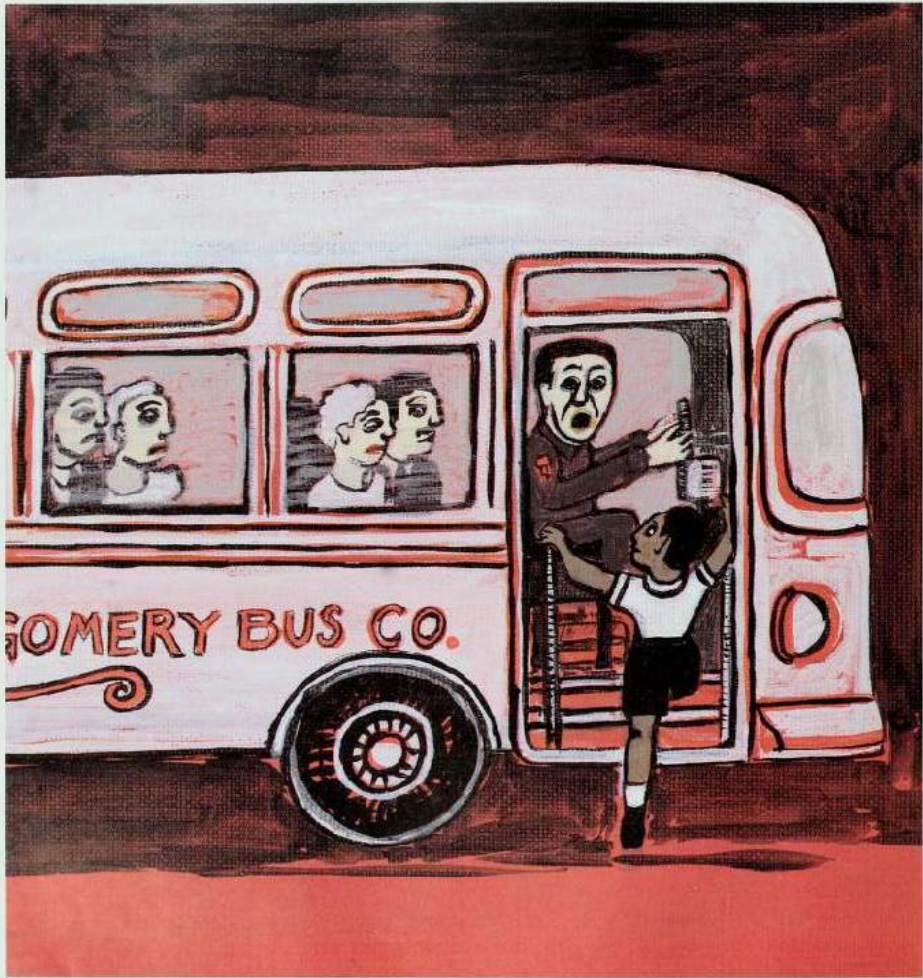
युवा मार्टिन से जितना तेज़ हो सका वो उतना तेज दौड़ा. उसे एक बस दिखी और वह उस बस में चढ़ गया. उस बस का ड्राईवर वही था जिसने मार्टिन और उसके शिक्षक को बस में इसलिए खड़ा किया था ताकि सफेद लोग बैठ सकें. मेरे सपने में, बस चालक युवा मार्टिन के ऊपर ज़ोर से गुर्राया और बोला, “अश्वेतों (नेग्रोस) के लिए इस बस में कोई सीट नहीं है."

युवा मार्टिन बस से उतरकर उन लोगों की भीड़ में मिल गया जो हाथों में गोरों / कालों के लिए अलग-अलग बसों के विरोध में बैनर पकड़े हुए थे.
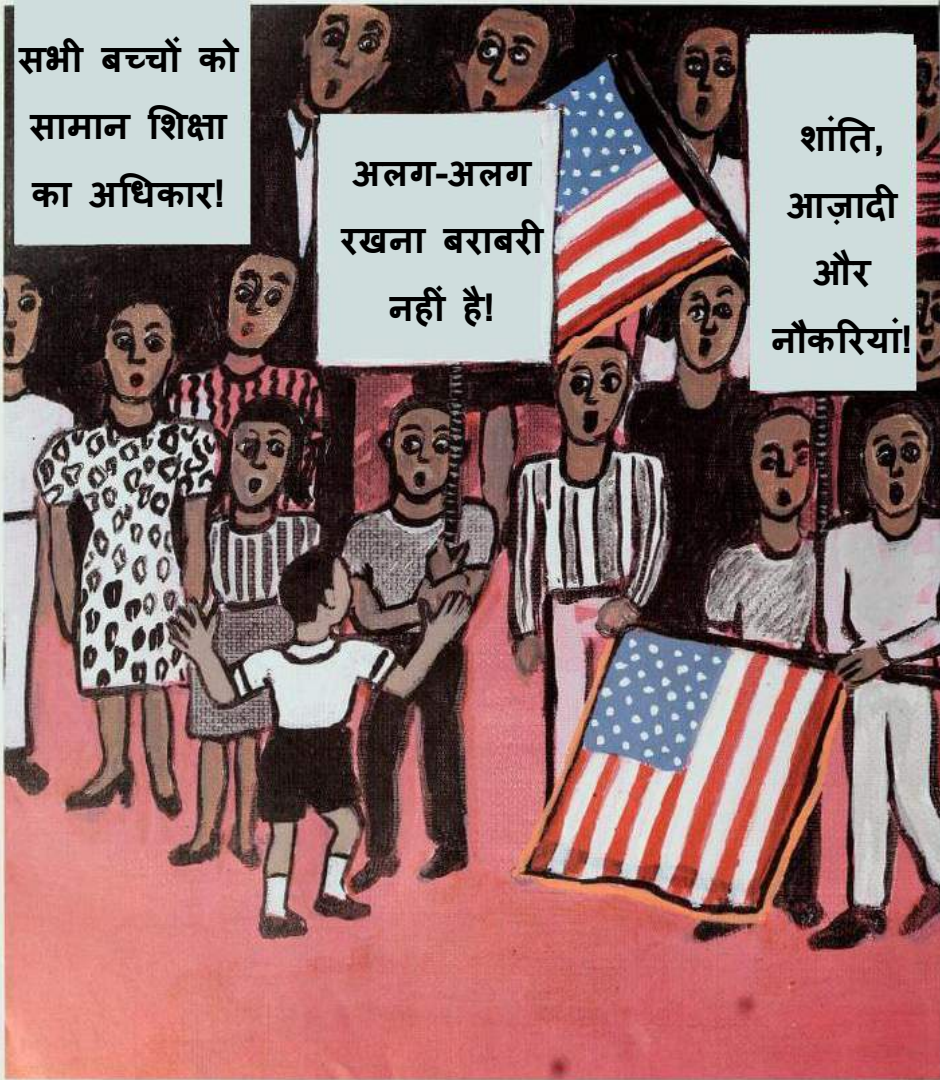
स्वतंत्रता और न्याय के मांगों के बैनर पढ़कर युवा मार्टिन बहुत खुश था.

क्योंकि उसके अपने लोगों को इन समस्याओं का आए दिन सामना करना पड़ता था, इसलिए युवा मार्टिन उन प्रदर्शनकारियों में शामिल हो गया. वे गा रहे थे, “मैं किसी को इज़ाज़त नहीं दूंगा कि वो मुझे अपनी ऊँगली पर नचाए."
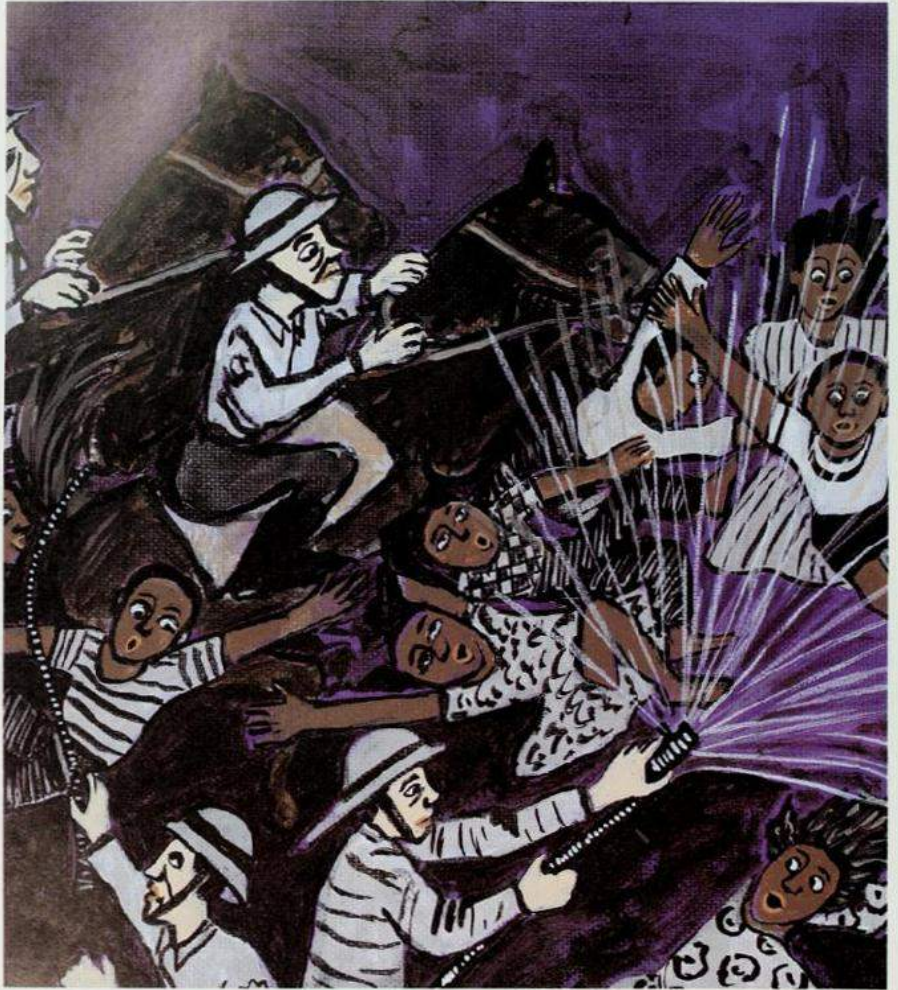
लेकिन तभी घुड़सवार पुलिस ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को कुचलना शुरू कर दिया. और पैदल पुलिस ने उन पर पानी फेंका, कुत्तों और मवेशियों को उनके ऊपर छोड़ा. बहुत अत्याचार हुआ, खून बहा, भीड़ ने आगे बढ़ना और जोशीले गीत गाना बंद कर दिया.

पुलिस वैन
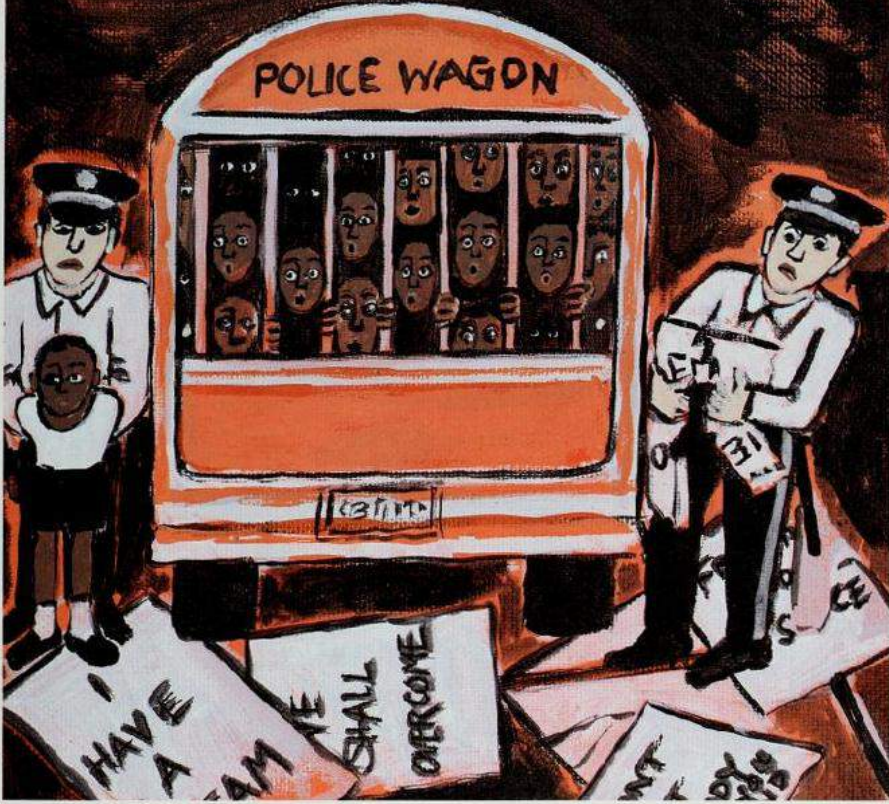
युवा मार्टिन और सभी प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया और पुलिस वैन में फेंक दिया गया और जेल ले जाया गया. जेल में रहते हुए युवा मार्टिन ने वो सब याद किया कि मां ने उसे दासता और दुर्व्यवहार के बारे में बताया था. पुलिस के बुरे व्यवहार के बावजूद भी मार्टिन ने उनके साथ सभ्य व्यवहार किया.

माँ, युवा मार्टिन से मिलने आई. उसने मार्टिन को अपने गले लगाया. फिर मार्टिन ने माँ को उन सभी भयानक चीजों के बारे में बताया जो उसके साथ घटी थीं. "लोग ऐसा क्यों करते हैं?" उसने पूछा.

माँ ने कहा, "बेटा, तुम अभी केवल छह साल के हो इसलिए तुम चीजों को स्वीकार नहीं कर पा रहे हो. एक दिन तुम ज़रूर इस हालात को बदलने का रास्ता खोजोगे."

“आज रविवार है और हम रविवार स्कूल और चर्च जा रहे हैं. डैडी किंग एक उपदेश का प्रचार करेगें और तुम्हारी मां गीत समूह का निर्देशन करेंगी. और तुम “अमेजिंग ग्रेस” वाला भजन गाना.”
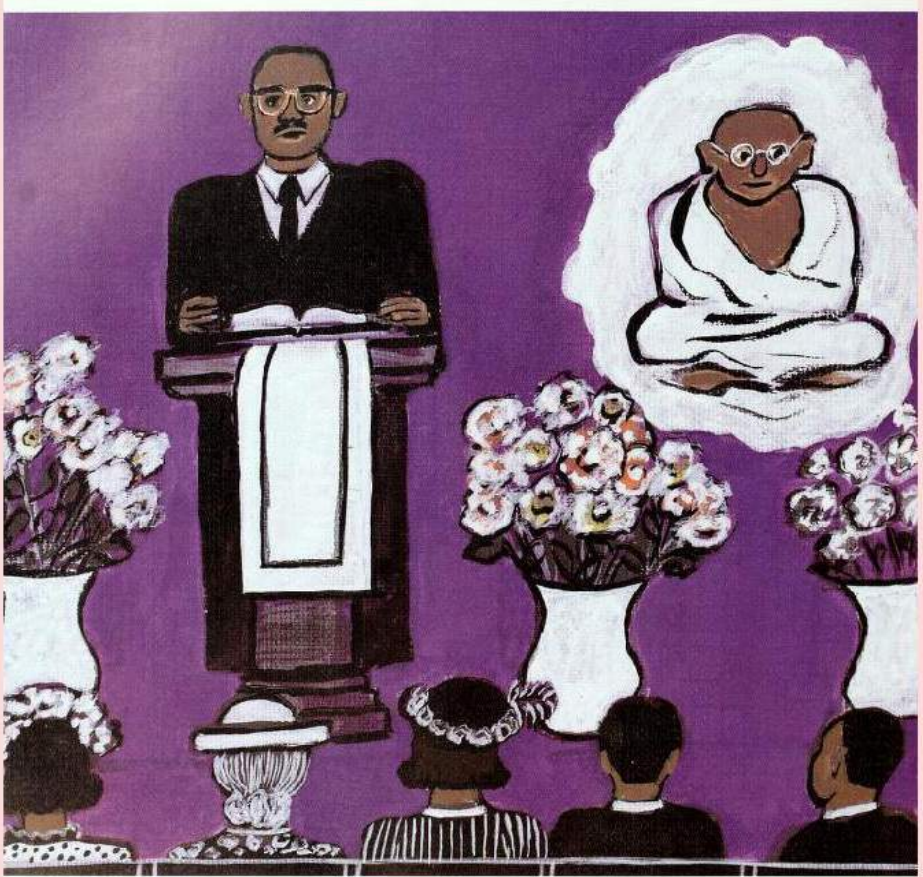
मेरे सपने में, जैसे ही युवा मार्टिन चर्च में बैठा, उस दिन डैडी किंग के प्रचार को सुनते हुए उसे अपने सामने महात्मा गांधी नाम के एक बहुत छोटे लेकिन शक्तिशाली और पवित्र व्यक्ति दिखाई पड़े. गांधीजी ने युवा मार्टिन को परिवर्तन लाने के लिए प्यार की शक्ति के बारे में बताया. 30-करोड़ से अधिक लोगों ने शांतिपूर्ण प्रतिरोध के माध्यम से स्वतंत्रता कैसे हासिल की, उसके बारे में भी गाँधीजी ने बताया.

गांधी की सीख में युवा मार्टिन को अपने लोगों की मदद करने का जवाब मिल गया.
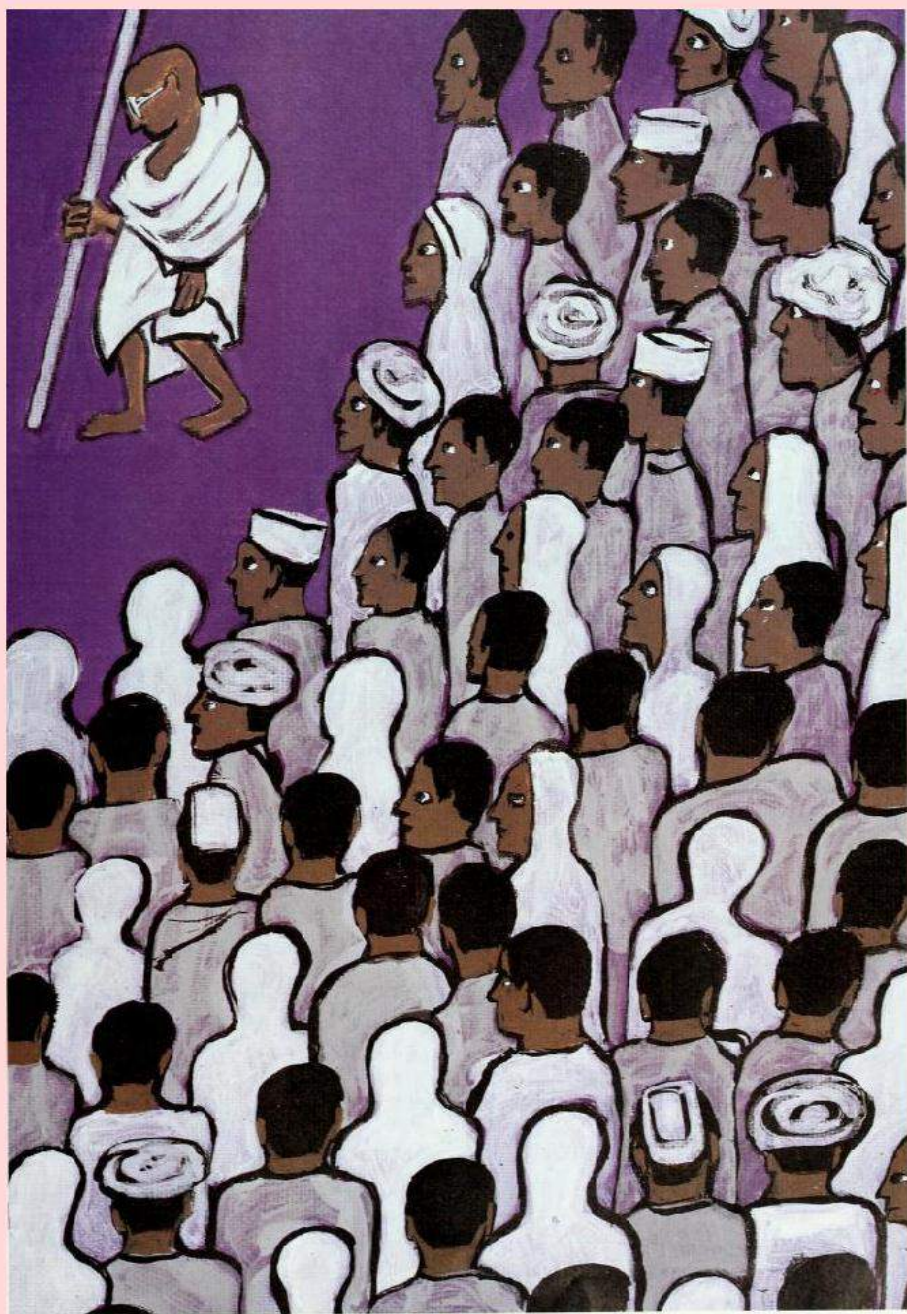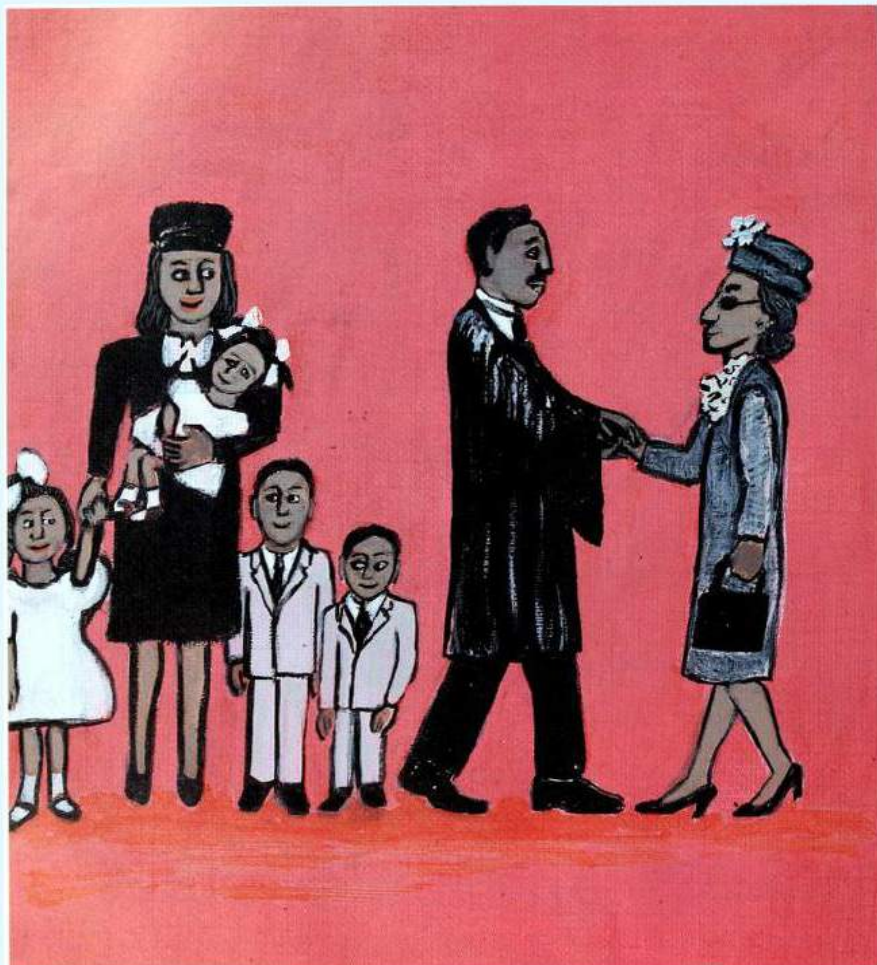
अब मार्टिन मुझे मेरे सपने में एक बच्चे के रूप में नहीं बल्कि अपने चर्च के मंत्री के रूप में दिखाई दिया. उसकी एक सुंदर पत्नी और चार बच्चे भी थे. मार्टिन से बहुत से लोग मदद मांगने के लिए आते थे. सबसे पहले मदद मांगने एक महिला आईं. उन्होंने एक गोरे आदमी के लिए बस पर अपनी सीट छोड़ने से इनकार किया था. उसके लिए उसे गिरफ्तार किया गया था. उसका नाम था - रोजा पार्क्स.

रोजा पार्क्स की गिरफ्तारी का विरोध करने के लिए एक बड़ी बैठक बुलाई गई। समूह ने गोरों और कालों के लिए अलग-अलग बसों का बहिष्कार किया. जहाँ कालों को अलग बैठना पड़े उन होटलों पर धरना दो! सभी का वोट डालने के लिए पंजीकरण किया गया जिससे कभी, सभी काले बच्चों को, समान शिक्षा, घर, और नौकरियों में समान अवसर मिलें.

इस समूह का नाम साउथर्न क्रिस्चियन लीडरशिप कांफ्रेंस था. मार्टिन लूथर किंग उसके नेता थे. उन्होंने लाखों लोगों को देश की राजधानी में एकत्रित किया. वहां उन्होंने एक अत्यंत शक्तिशाली भाषण दिया. उससे हर कोई प्रभावित हुआ.
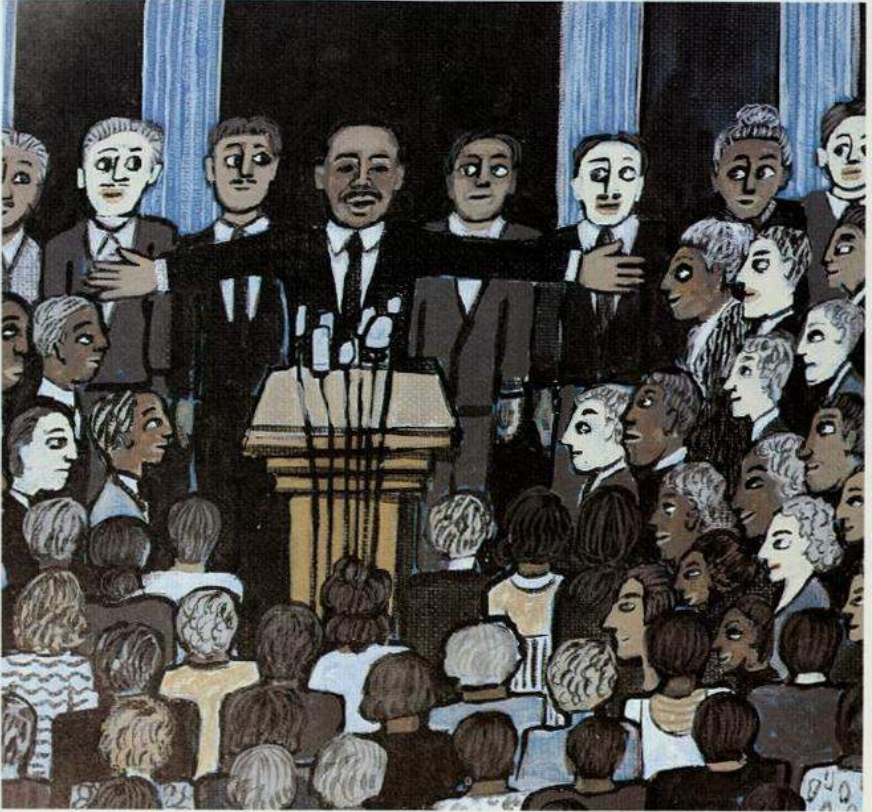
"मेरा एक ही सपना है कि एक दिन हमारा देश आगे बढ़े और इन्सानियत के असली अर्थ को प्राप्त करे...."

किंग ने अपने सपने की तस्वीर खींचते हुए लोगों से कहा, “आज मेरा एक ही सपना है! कि एक दिन जॉर्जिया की लाल पहाड़ियों पर पूर्व दासों के पुत्र और पूर्व दासों के मालिकों के पुत्र एक ही मेज पर बैठकर भाईचारे को आगे बढ़ा रहे हों...."

“आज मेरा एक ही सपना है!”
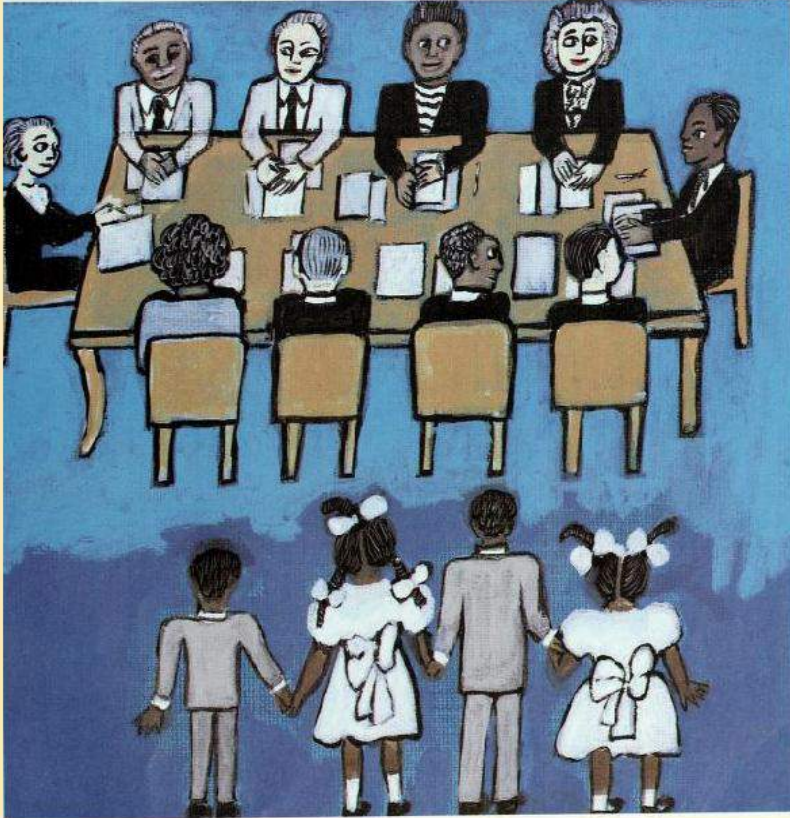
मैं अपने सपने में देख सकता था कि किंग के चारों छोटे बच्चे अपने पिता के एक बेहतर दुनिया के दृष्टिकोण से प्रभावित थे!

मार्टिन लूथर किंग प्राथमिक स्कूल
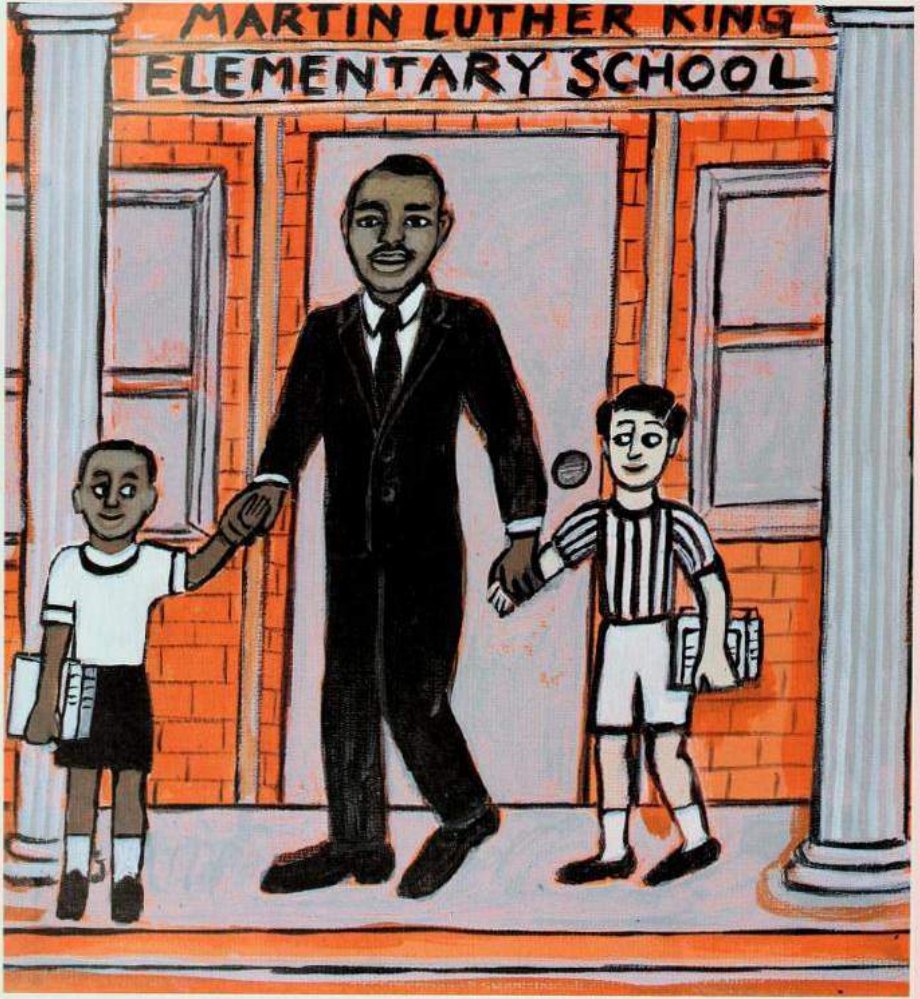
और फिर दुबारा से किंग मेरे सपने में आए. काले और सफेद दोनों लोगों के साथ बस का सफर करते हुए दिखे. गोरे-काले एक-साथ भोजन खाते और एक-साथ वोट देते दिखे. और सभी गोरे-काले बच्चों को एक-साथ स्कूल जाते हुए देखकर किंग बहुत ही खुश हुए.
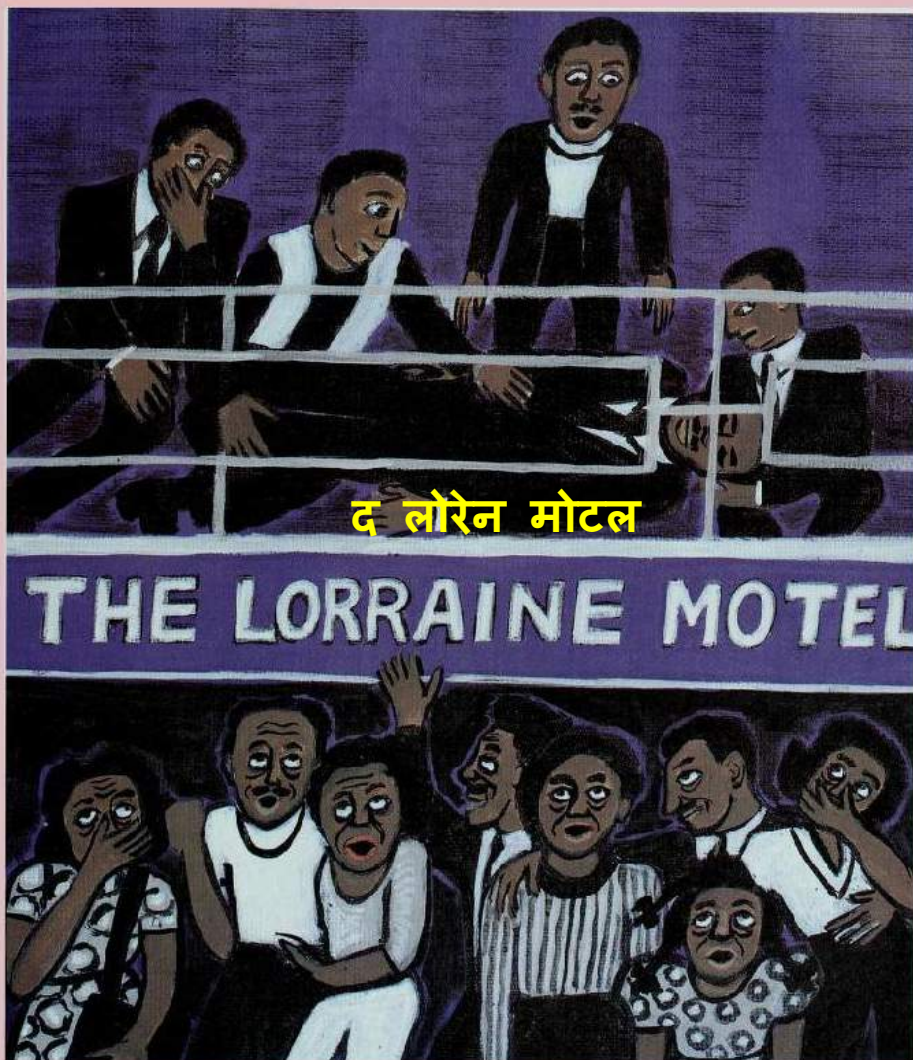
लेकिन अचानक एक धमाके जैसा शोर सुनाई दिया. फिर मुझे पता चला कि मार्टिन लूथर किंग मर चुके थे. मेरे सपने में भी लोग बिलख-बिलख कर रो रहे थे, बिल्कुल उसी तरह जैसे वो उनकी मृत्यु वाले दिन रोए थे.
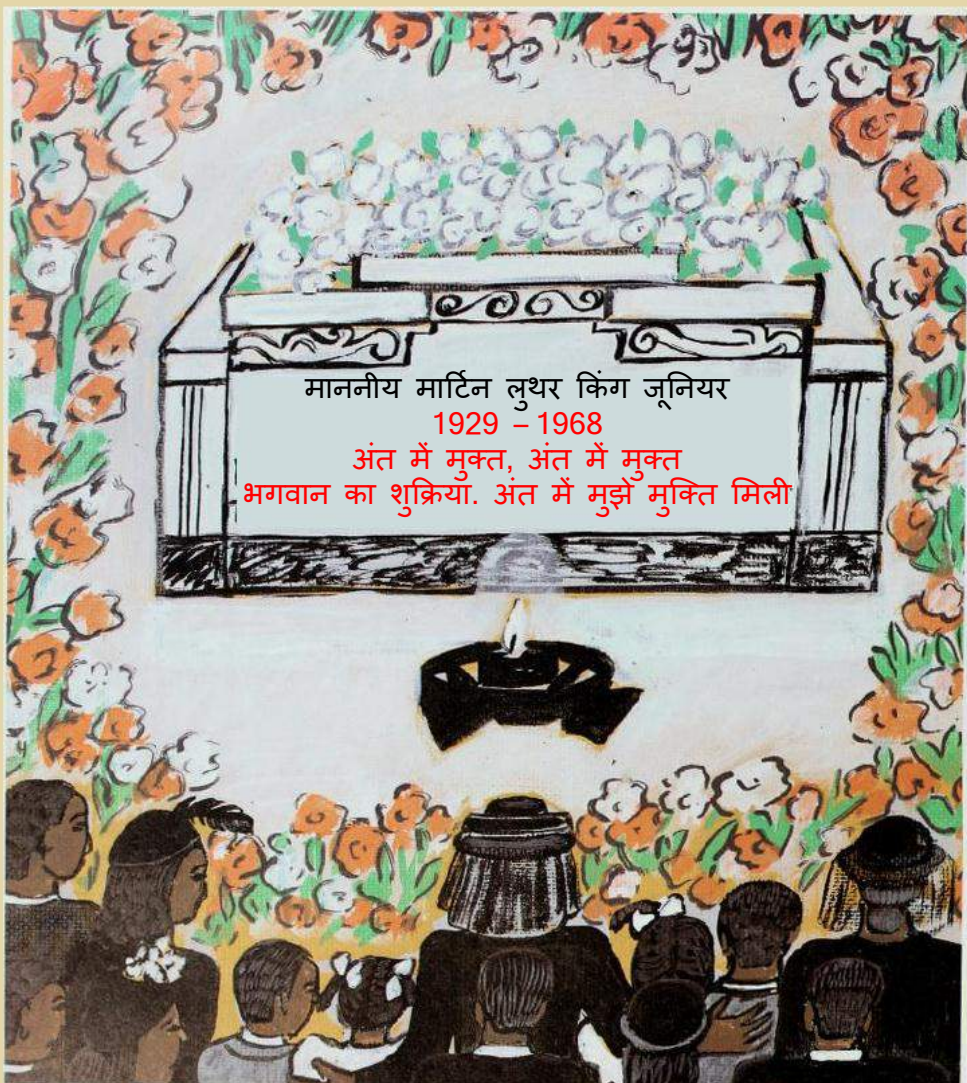
डैडी किंग, मां, क्रिस्टीन - किंग की पत्नी, कोरेटा, उनके चारों बच्चे, और उनके कई दोस्त और समर्थक उस हीरो की याद में एक अनन्त लौ जलाने आए.

यहां तक कि अमरीका के राष्ट्रपति भी उसमें शामिल हुए.
पूरा संसार शोक में था.

जैसे ही मेरा सपने ख़त्म हुआ वैसे ही मैंने खुद को एक विशाल समूह में पाया जिसमें सभी रंगों, जातियों और धर्मों के औरत-मर्द और बच्चे शामिल थे. वे सभी मार्टिन लूथर किंग की मृत्यु पर शोक प्रकट करने आए थे अपने अपने तमाम पूर्वाग्रह, घृणा, अज्ञानता, हिंसा को किंग की याद में त्यागने आए थे.

हरेक अच्छा काम एक सपने से शुरू होता है.
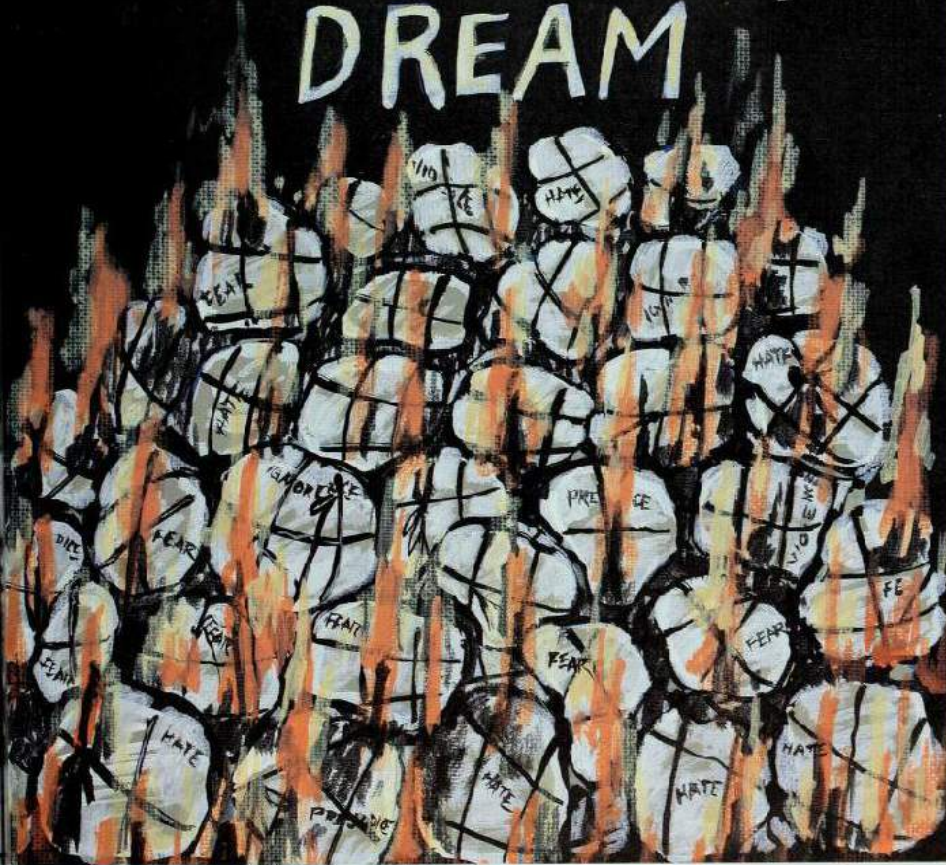
हमने घृणा के उन थैलों का एक ढेर बनाया. जैसे ही उसमें आखिरी थैला पड़ा तब एक ज़ोर का धमाका हुआ और उस ढेर में आग लग गई. उस आग की तेज रोशनी ने पूरी दुनिया को उज्ज्वल किया. आकाश में चमकदार शब्द दिखने लगे. वहाँ लिखा था : हरेक अच्छा काम एक सपने से शुरू होता है.

डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर का जीवन

15 जनवरी, 1929 मार्टिन लूथर किंग जूनियर का अटलांटा, जॉर्जिया में जन्म.

सितंबर 1935 मार्टिन लूथर किंग अटलांटा में ऑल-ब्लैक यंग स्ट्रीट प्राथमिक स्कूल में गए.

जून 1944 मार्टिन लूथर किंग का अटलांटा के मोरहाउस कॉलेज में प्रवेश.

फरवरी 1948 मार्टिन लूथर किंग को बैपटिस्ट मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया. जून में मोरहाउस कॉलेज से स्नातक होने के बाद चेस्टर में क्रोजर थ्योलॉजिकल सेमिनरी, पैंसिल्वेनिया में प्रवेश.

18 जून, 1953 मार्टिन लूथर किंग और कोरेटा स्कॉट का विवाह.

सितंबर 1954 मार्टिन लूथर किंग मोंटगोमेरी अलबामा के डेक्सटर एवेन्यू चर्च के पादरी बने.

जून 1955 मार्टिन लूथर किंग ने बोस्टन विश्वविद्यालय से धर्मशास्त्र में पीएचडी प्राप्त की.

17 नवंबर, 1955 योलान्डा डेनिस किंग. किंग्स का पहला बच्चा पैदा हुआ.

1 दिसंबर 1955 श्रीमती रोजा पार्क ने मोंटगोमेरी, अलाबामा में एक सफेद आदमी को अपनी बस सीट छोड़ने से इंकार किया.

5 दिसंबर, 1955 मार्टिन लूथर किंग मोंटगोमेरी इम्प्रूवमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने गए और मोंटगोमेरी बसों के सालाना बहिष्कार का नेतृत्व किया.

26 जनवरी, 1956 मार्टिन लूथर किंग को यातायात उल्लंघन के लिए पहली बार गिरफ्तार किया गया.

जनवरी 1957 साउथर्न क्रिस्चियन लीडरशिप कांफेरंस (एससीएलसी) की स्थापना. मार्टिन लूथर किंग को राष्ट्रपति चुना गया.

23 अक्टूबर 1957 मार्टिन लूथर किंग तृतीय का जन्म.

फरवरी 1959 मार्टिन लूथर किंग और कोरेटा स्कॉट किंग भारत आए, जहां उन्होंने महात्मा गांधी के अहिंसक विरोध के तरीकों का अध्ययन किया.

जनवरी 1960 राजा परिवार अटलांटा चले गए. जहां मार्टिन लूथर किंग अपने पिता मार्टिन लूथर किंग सीनियर के साथ एबेनेजर बैपटिस्ट चर्च के सह-पादरी बने.

फरवरी 1960 ग्रीन्सबोरो, उत्तर कैरोलिना में छात्र. पहले “सिट-इन्स" जिसमें "केवल सफेद छात्रों के लंच काउंटर पर बैठना” शामिल था.

19 अक्टूबर, 1960 मार्टिन लूथर किंग को अटलांटा में दोपहर के भोजन के काउंटर पर बैठे जाने के बाद जेल भेजा गया.

30 जनवरी, 1961 डेक्सटर स्कॉट किंग का जन्म हुआ.

मई 1961 "फ्रीडम राइडर्स" ग्रेहाउंड बस द्वारा वॉशिंगटन, डी.सी. छोड़ना. बस विघटन के विरोधियों द्वारा जला दिया जाता है. और बर्मिंघम, अलबामा में आने पर सवारियों को पीटा गया.

दिसंबर 1961 मार्टिन लूथर किंग अल्बानी जॉर्जिया में स्टोर्स और अन्य सार्वजनिक स्थानों को अलग करने की मांग करने वाले प्रदर्शनकारियों से जुड़ना.

सितंबर 1962 ब्लैक स्टूडेंट जेम्स मेरिडिथ मिसिसिपी के सभी सफेद विश्वविद्यालय में दाखिला लेने का प्रयास.

28 मार्च, 1963 बर्निस अल्बर्टिन किंग का जन्म.

12 अप्रैल, 1963 मार्टिन लूथर किंग को बर्मिंघम-अलबामा में मार्च के दौरान गिरफ्तार किया गया और तेरहवीं बार जेल भेजा गया.

मई 1963 पुलिस ने बर्मिंघम में विरोध प्रदर्शन रोकने के लिए कुत्तों और आग का उपयोग किया.

28 अगस्त, 1963 में 250,000 लोगों ने वाशिंगटन, डी.सी. में नागरिक अधिकारों के समर्थन का प्रदर्शन किया. मार्टिन लूथर किंग राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी के साथ मिले और अपने "आई है ए ड्रीम" का भाषण दिया.

22 नवंबर, 1963 राष्ट्रपति केनेडी की हत्या कर दी गई.

अगस्त 1964 फिलाडेल्फिया, मिसिसिपी में तीन युवा नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई.

दिसंबर 1964 मार्टिन लूथर किंग को नोबेल शांति पुरस्कार मिला.

मार्च 1965 मार्टिन लूथर किंग और एससीएलसी ने अलाबामा में एक मतदाता पंजीकरण अभियान शुरू किया. सेल्मा से मार्च करने का प्रयास करने वाले नागरिक अधिकार प्रदर्शनकारियों. अलबामा. मोंटगोमेरी, अलबामा के लिए. राज्य संरक्षकों द्वारा पीटा गया.

अगस्त 1965 राष्ट्रपति लिंडन बी. जॉनसन ने 1965 वोटिंग राइट्स एक्ट पर हस्ताक्षर किए.

28 मार्च, 1968 मार्टिन लूथर किंग मेम्फिस, टेनेसी में हड़ताली स्वच्छता श्रमिकों के समर्थन में मोर्चा निकाला.

3 अप्रैल 1968 को मार्टिन लूथर किंग ने अपना आखिरी भाषण दिया, "मैं पर्वत पर गया हूं."

4 अप्रैल 1968 मार्टिन लूथर किंग को मेम्फिस में लोरेन मोटेल में गोली मारकर मार डाला गया. भागने वाले दोषी जेम्स अर्ल रे को बाद में हत्या का दोषी पाया गया.